साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली–110001
दूरभाष : +91-11-23386626-28, फ़ैक्स : +91-11-23382428
ई-मेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in
वेबसाइट : http://www.sahitya-akademi.gov.in

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi–110001
Phone: +91-11-23386626-28, Fax: +91-11-23382428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in
Website: http://www.sahitya-akademi.gov.in

प्रेस विज्ञप्ति

ग्वादलाजारा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में साहित्य अकादेमी द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

9 दिसंबर 2019; देश की राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था साहित्य अकादेमी ने मेक्सिको के ग्वादलाजारा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में भाग लिया। यह पुस्तक मेला 30 नवंबर से 8 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया गया था। भारत इस पुस्तक मेले में 'गेस्ट ऑफ ऑनर' देश के रूप में आमंत्रित किया गया था और यह सम्मान पाने वाला वह पहला एशियाई देश है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत इस मेले के लिए नोडल एजेंसी के रूप में था।

पुस्तक मेले में सहभागिता के लिए साहित्य अकादेमी ने चार व्यक्तियों का प्रतिनिधि मंडल भेजा था जिसके सदस्य थे – प्रख्यात कवि एवं साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक, प्रख्यात गुजराती लेखक एवं विद्वान डॉ. बलवंतराय शांतिलाल जानी, प्रख्यात लेखिका एवं विद्वान ममंग दई तथा साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव।

प्रतिनिधि मंडल ने मेले में आयोजित कई कार्यक्रमों में सहभागिता की। रचना–पाठ के पहले कार्यक्रम में लेखकों का स्वागत और परिचय साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में माधव कौशिक, ममंग दई, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला के निदेशक मकरंद परांजपे तथा दूसरे रचना–पाठ कार्यक्रम में बलवंत जानी, प्रख्यात हिंदी कवि लीलाधर जगूड़ी एवं प्रख्यात हिंदी लेखिका मंजुला राणा ने अपनी–अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

पैनल चर्चा कार्यक्रम जिसका शीर्षक **'बियोंड गेस्ट कंट्री : इंस्टीट्यूशनलाइजिंग इंडिया – मैक्सिको पब्लिशिंग टाईम'** था। इसमें बीज वक्तव्य प्रख्यात अंग्रेजी लेखक एवं नेहरू सेंटर, लंदन के निदेशक अमीश त्रिपाठी द्वारा दिया गया तथा डॉ. के. श्रीनिवासराव, श्री सेंताइगो रुई संचेज़, डेविड उंगर, और गुरुदेव टैगोर कल्चरल सेंटर की निदेशक सुश्री श्रीमती दास ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. श्रीनिवासराव ने वर्तमान परिदृश्य की जानकारी देते हुए दोनों देशों के बीच बेहतर रोड मैप बनाकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया।

'राइटिंग : पैशन आर प्रोफेशन' विषय पर ममंग दई, श्री अरूप कुमार दत्ता और श्री अमीश त्रिपाठी ने भाग लिया। पैनल चर्चा जिसका शीर्षक था **'बाइलिंग्युलिज़्म ट्राइलिंग्युलिज़्म एंड मल्टीलिंग्युलिज़्म : व्हाट इट मीन टू बी ए राइटर इन इंडिया'** का संयोजन प्रो. मकरंद परांजपे ने किया और भारतीय लेखकों – श्री माधव कौशिक, श्री लीलाधर जगूड़ी और श्री योगेंद्रनाथ शर्मा ने इसमें सहभागिता की। कार्यक्रम में भारत की बहुभाषी प्रकृति और भारतीय संस्कृति की विविधता सामने आई।

'इंडो मैक्सिकन लिटरेचर : अपॉरच्यूनिटीज़ एंड चैलेंजेंज़' विषयक परिसंवाद में डॉ. के. श्रीनिवासराव और डॉ. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने स्पेनिश साहित्य को विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनूदित करते समय आने वाली मुश्किलों की चर्चा की, साथ ही इस क्षेत्र में प्रचुर अवसरों के बारे में चर्चा हुई। एक अन्य कार्यक्रम **'व्हाई डू आइ राइट?'** सुश्री श्रीमती दास द्वारा संयोजित किया गया जिसमें तीन भारतीय लेखकों सुश्री ममंग दई, प्रो. मकरंद परांजपे और मंजुला राणा ने भाग लिया और अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम **'ट्रांसलेशन : यूनाइटिंग द कल्चर्स'** में डॉ. के. श्रीनिवासराव, सुश्री ममंग दई, श्री लीलाधर जगूड़ी ने अनुवाद के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डालते हुए अनुवाद के महत्त्व और विविधतापूर्ण समाज में ये विभिन्न संस्कृतियों के बीच एकता के लिए कैसे कार्य करता है, पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम **'माइ लिटरेरी इंस्पिरेशन'**, जो कि डॉ. बलवंतराय शांतिलाल जानी द्वारा संयोजित किया गया, में श्री माधव कौशिक ने बताया कि कैसे लेखक प्रेरणा प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम **'फ्रीडम एंड चैलेंजस इन लिटरेचर'** जो कि मंजुला राणा द्वारा संयोजित किया गया, में सुश्री ममंग दई और प्रोफ़ेसर मकरंद परांजपे ने लेखकों के लिए स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अपने विचार प्रकट किए।

अकादेमी के प्रतिनिधि लेखक मंडल ने अनेक स्पेनिश अनुवादकों और लेखकों से भी संवाद किया।

एस. राजमोहन
उपसचिव